

Bachelor of Education (B.Ed.) (Two Years Course) Semester—III Examination

GENDER, SCHOOL & SOCIETY

Paper—PE-301

Time : Two Hours]

[Maximum Marks : 35

Note :—All questions are compulsory.

1. What is meant by Feminism ? Explain the role of teacher as an agent of change in School. 15

OR

Explain the role of Women's movement in relation to gender. State the concept of Socialist. 15

2. (a) Explain the formation of gender identities in School. 5
(b) State the role of formal organization in gender socialization. 5

OR

(c) State the formation of gender identities through informal organization. 5

(d) Explain the contribution of family in gender identities. 5

3. (a) Explain the instrumentalist approach to women education in the context of Indian gender. 5
(b) Explain the thoughts of Rashtrasant Tukdoji Maharaj about life education. 5

OR

(c) State the retention and exclusion in relation to caste about school going Girls. 5

(d) Explain the thoughts of Rashtrasant Tukdoji Maharaj about Social Change. 5

Bachelor of Education (B.Ed.) (Two Years Course) Semester—III Examination

GENDER, SCHOOL & SOCIETY

Paper—PE-301

Time : Two Hours]

[Maximum Marks : 35

(मराठी माध्यम)

सूचना :—सर्व प्रश्न आवश्यक आहेत.

1. स्त्री अधिकारवाद म्हणजे काय ? शालेय बदलातील मध्यस्थ म्हणून शिक्षकाची भूमिका स्पष्ट करा 15
किंवा
लिंगभाव संबंधी स्त्री चळवळीची भूमिका स्पष्ट करा. समाजवादाची संकल्पना विशद करा. 15
2. (अ) शाळेत लिंगभाव समानत्वाची निर्मिती स्पष्ट करा. 5
(ब) लिंगभाव सामाजिकीकरणात औपचारिक संघटनेची भूमिका विशद करा. 5
किंवा
(क) अनौपचारिक संघटनामधून लिंगभाव समानत्वाची निर्मिती विशद करा. 5
(ड) लिंगभाव समानत्वात कुटुंबाचे योगदान स्पष्ट करा. 5
3. (अ) भारतीय लिंगभावाच्या संदर्भात स्त्री शिक्षणाचा साधनीभूत दृष्टीकोण स्पष्ट करा. 5
(ब) जीवन शिक्षणाविषयी राष्ट्रसंत तुकडोजी महाराजांचे विचार स्पष्ट करा. 5
किंवा
(क) शाळेतजाणाऱ्या मुलींच्या बाबतीत जाती विषयक धारणा व बंदी विशद करा. 5
(ड) सामाजिक बदला बाबत राष्ट्रसंत तुकडोजी महाराजांचे विचार स्पष्ट करा. 5

Bachelor of Education (B.Ed.) (Two Years Course) Semester—III Examination

GENDER, SCHOOL & SOCIETY

Paper—PE-301

Time : Two Hours]

[Maximum Marks : 35

(हिन्दी माध्यम)

सूचना :—सभी प्रश्न अनिवार्य हैं।

1. नारीवाद याने क्या ? पाठशाला बदलाव में मध्यस्थ के रूप में अध्यापक की भूमिका स्पष्ट कीजिये। 15

अथवा

लिंगभाव संबंध में स्त्री मोहिम की भूमिका स्पष्ट कीजिये। समाजवाद की संकल्पना विशद कीजिए। 15

2. (अ) पाठशाला में लिंगभाव समानत्व निर्माण स्पष्ट कीजिए। 5
(ब) लिंगभाव सामाजिकरण में औपचारिक संगठन की भूमिका विशद कीजिए। 5

अथवा

(क) अनौपचारिक संघटन में से लिंगभाव समानत्व का निर्माण स्पष्ट कीजिए। 5

(ड) लिंगभाव समानत्व में परिवार का योगदान स्पष्ट कीजिए। 5

3. (अ) भारतीय लिंगभाव के संदर्भ में स्त्री शिक्षा का साधनभूत दृष्टिकोण स्पष्ट कीजिए। 5
(ब) जीवन शिक्षा विषय के बारे में राष्ट्रसंत तुकडोजी महाराज के विचार स्पष्ट कीजिए। 5

अथवा

(क) पाठशाला में जाने वाली लड़कियों के बारे में जाति विषयक धारणा और बंदी विशद कीजिए। 5

(ड) सामाजिक बदलाव के बारे में राष्ट्रसंत तुकडोजी महाराज के विचार स्पष्ट कीजिये। 5